तुरंत जारी करने हेतु **(प्रेस विज्ञप्ति सं.82/2022)**

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2022

(www.trai.gov.in)

31 अक्तूबर, 2022 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1143.63**	**26.82**	**1170.45**
अक्तूबर 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-1.81	0.35	-1.46
मासिक वृद्धि दर	-0.16%	1.32%	-0.12%
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**625.18**	**24.81**	**649.99**
अक्तूबर 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-1.95	0.33	-1.62
मासिक वृद्धि दर	-0.31%	1.36%	-0.25%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**518.45**	**2.01**	**520.46**
अक्तूबर 2022 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.14	0.018	0.16
मासिक वृद्धि दर	0.03%	0.89%	0.03%
समग्र दूरसंचार-घनत्व*	**82.75%**	**1.94%**	**84.69%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व*	128.96%	5.12%	134.08%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व*	57.78%	0.22%	58.01%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.67%	92.50%	55.53%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.33%	7.50%	44.47%
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**790.14**	**31.35**	**821.49**

- अक्तूबर, 2022 के माह में 11.81 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने की तिथि से सितम्बर, 2022 अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 748.11 मिलियन से बढ़कर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 759.92 मिलियन हो गया।

- अक्तूबर, 2022 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1016.81 मिलियन थी।

नोट: -

- इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report%202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf के आधार पर के आधार पर।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- सितम्बर, 2022 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,171.92 मिलियन से घटकर, अक्तूबर, 2022 के अंत तक 1,170.45 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 0.12 प्रतिशत दर्ज की गयी। सितम्बर, 2022 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 651. 61 मिलियन से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 649.99 मिलियन हो गई हालांकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 520.30 मिलियन से बढ़कर 520.46 मिलियन हो गई। अक्तूबर, 2022 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वद्धि दर -0.25 प्रतिशत तथा 0.03 प्रतिशत रही।

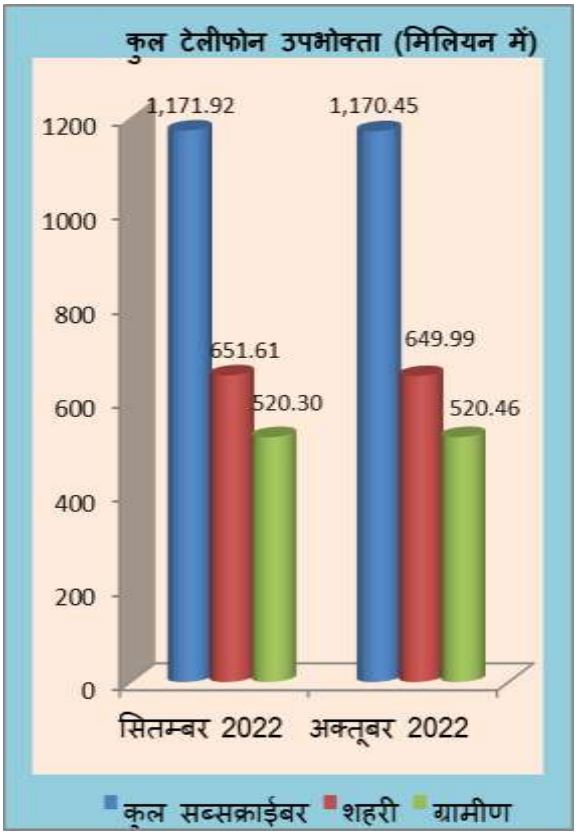

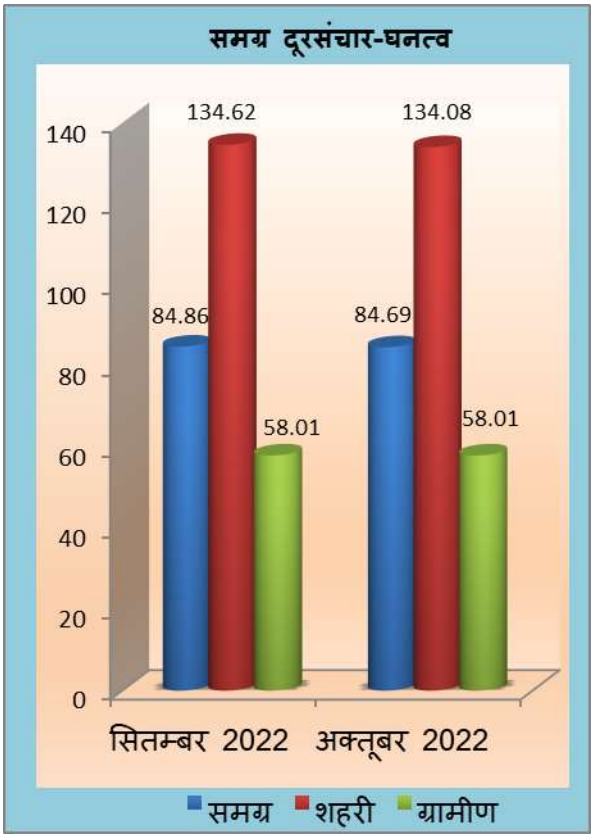

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व सितम्बर, 2022 के अंत तक 84.86 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 84.69 प्रतिशत हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व सितम्बर, 2022 के अंत तक 134.62 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 134.08 प्रतिशत हो गया हालांकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 58.01 प्रतिशत ही रहा जो कि सितम्बर, 2022 के अंत मे था। अक्तूबर, 2022 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 55.53 प्रतिशत तथा 44.47 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि अक्तूबर, 2022 के अंत में आठ सेवा क्षेत्रों में टेलि-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि-घनत्व 269.90 प्रतिशत रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि-घनत्व 55.37 प्रतिशत रहा है।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकड़ो जो कि निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है **https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/Population%20Projection%20Report %202011-2036%20-%20upload_compressed_0.pdf** के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

अक्तूबर, 2022 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अक्तूबर, 2022 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	1,25,722	-6,41,815	1,02,36,904	38,40,74,219
श्रेणी - ख	1,22,909	-16,58,985	65,85,991	46,58,43,027
श्रेणी - ग	41,346	2,38,659	18,58,999	18,26,68,912
महानगर	60,453	2,48,989	81,37,978	11,10,47,534
अखिल भारतीय	**3,50,430**	**-18,13,152**	**2,68,19,872**	**1,14,36,33,692**

अक्तूबर, 2022 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (सितम्बर-22 से अक्तूबर-22)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्तूबर, 2021 से अक्तूबर, 2022 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी - क	1.24	-0.17	15.00	-3.26
श्रेणी - ख	1.90	-0.35	22.80	-2.61
श्रेणी - ग	2.27	0.13	34.71	2.23
महानगर	0.75	0.22	6.00	-1.09
अखिल भारतीय	**1.32**	**-0.16**	**15.00**	**-1.94**

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि अक्तूबर, 2022 माह के दौरान मासिक आधार पर सेवा श्रेणी 'श्रेणी-ग' एवं 'श्रेणी-महानगर' को छोड़कर अन्य सभी सेवा श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर सेवा श्रेणी 'श्रेणी-ग' को छोड़कर अन्य सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई है।

- वायरलाइन सेवा क्षेत्र में अक्तूबर, 2022 माह के दौरान दोनों मासिक एवं वार्षिक आधार पर सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

II. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- सितम्बर, 2022 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1145.45 मिलियन से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 1143.63 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 0.16 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत तक 627.14 मिलियन से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 625.18 मिलियन हो गई हालांकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 518.31 मिलियन से बढ़कर 518.45 मिलियन हो गई। अक्तूबर, 2022 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः -0.31 प्रतिशत और 0.03 प्रतिशत रही।

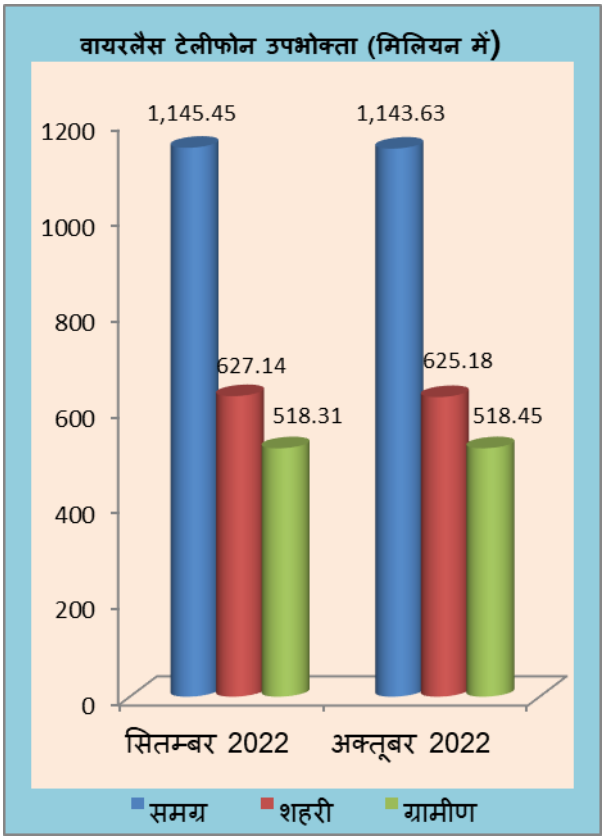

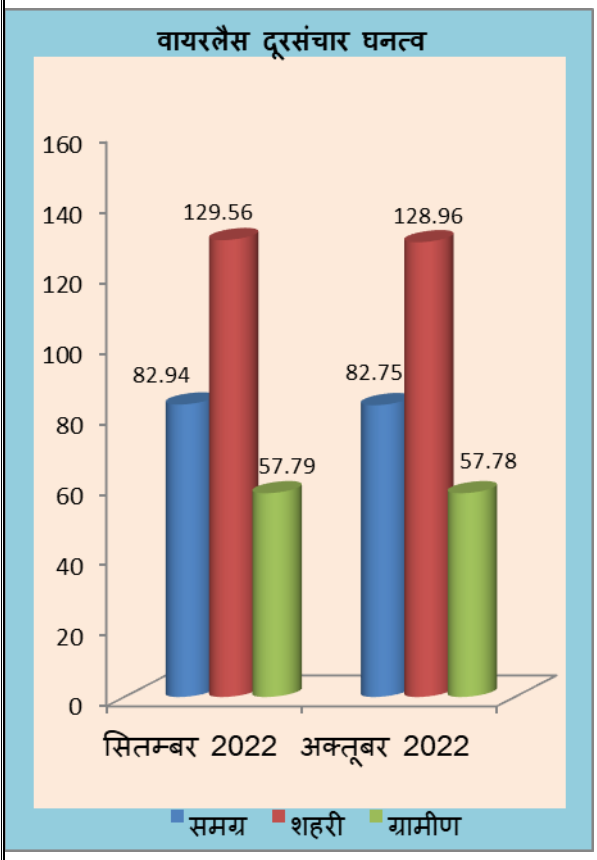

- सितम्बर, 2022 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 82.94 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 82.75 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में सितम्बर, 2022 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 129.56 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर, 2022 के अंत में 128.96 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 57.79 प्रतिशत से घटकर 57.78 प्रतिशत हो गया। अक्तूबर, 2022 के अंत तक कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 54.67 प्रतिशत तथा 45.33 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.24 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.76 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः-

31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

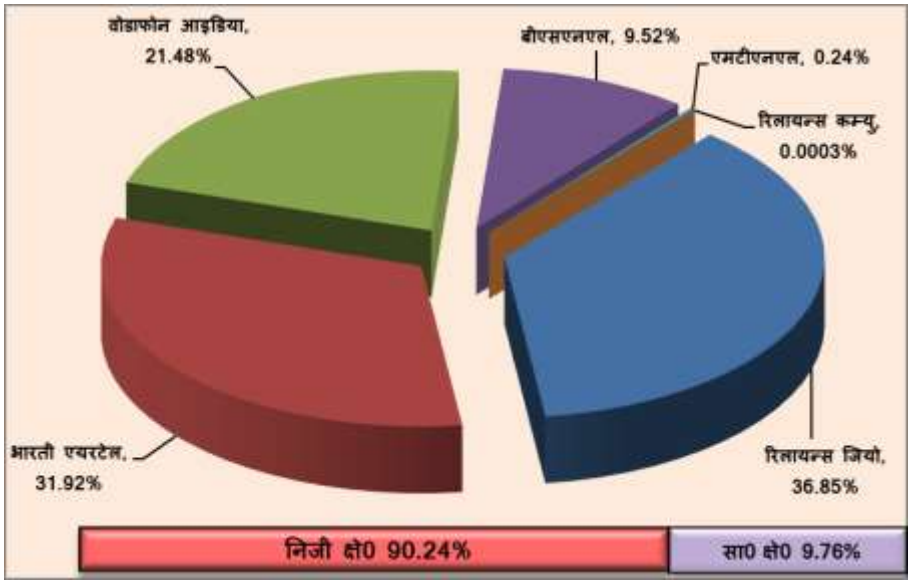

अक्तूबर, 2022 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

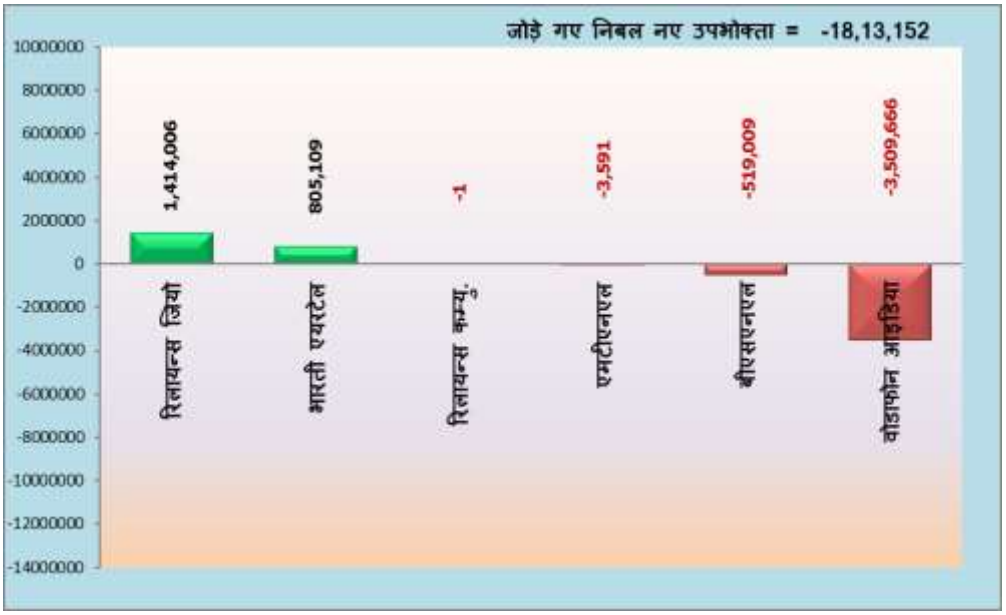

IV. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

अक्तूबर, 2022 माह के दौरान सेवा-प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

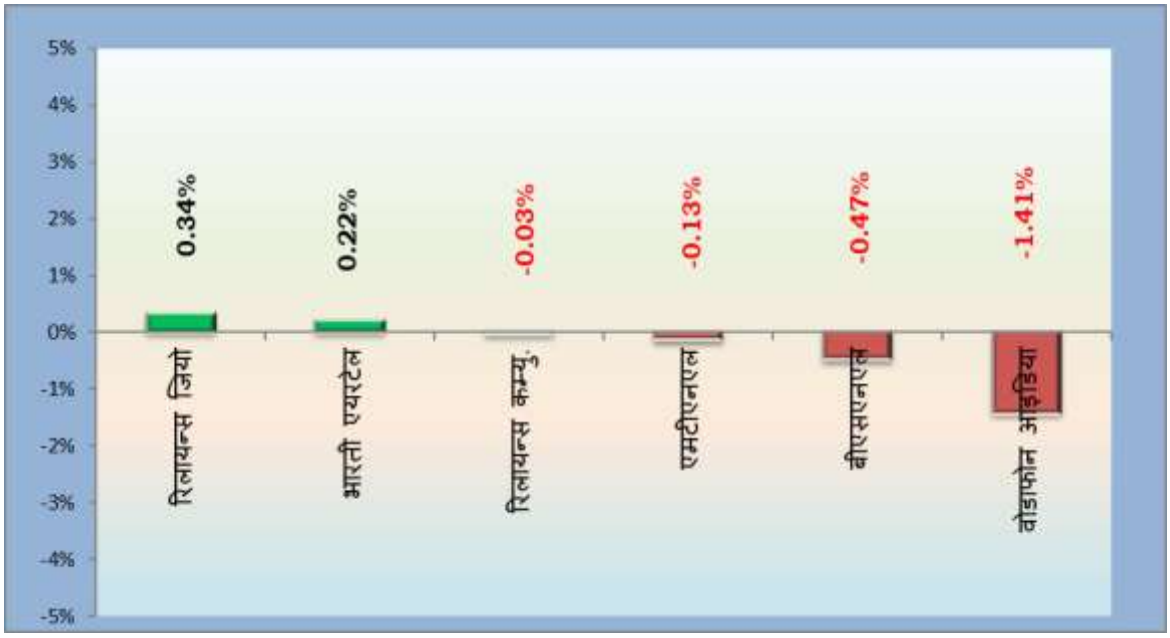

नोट - बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है।

अक्तूबर, 2022 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

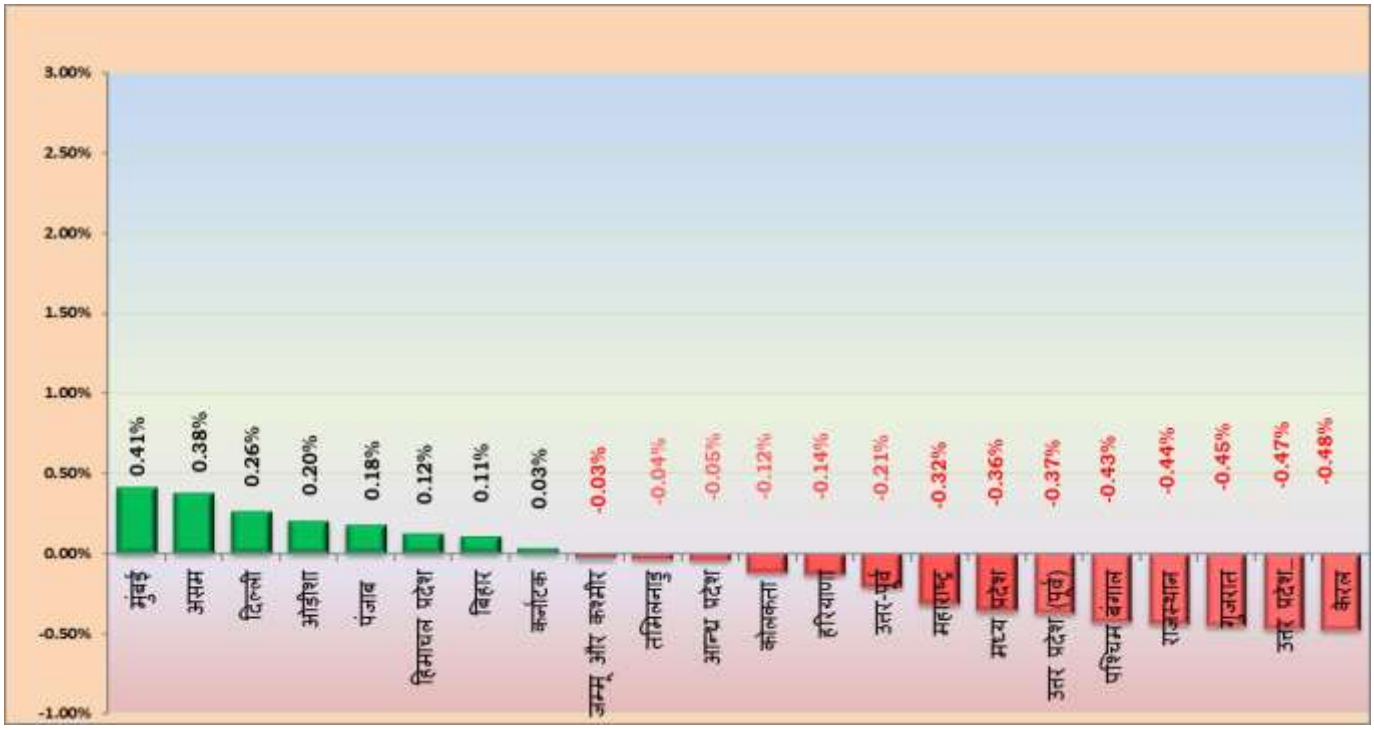

- अक्तूबर, 2022 माह के दौरान मुंबई, असम, दिल्ली, ओड़ीशा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, बिहार और कर्नाटक सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में ह्रास दर दर्ज की गई।

V. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- अक्तूबर, 2022 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 1,143.63 मिलियन में से 1016.81 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 88.91 प्रतिशत था।

- अक्तूबर, 2022 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

अक्तूबर, 2022 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

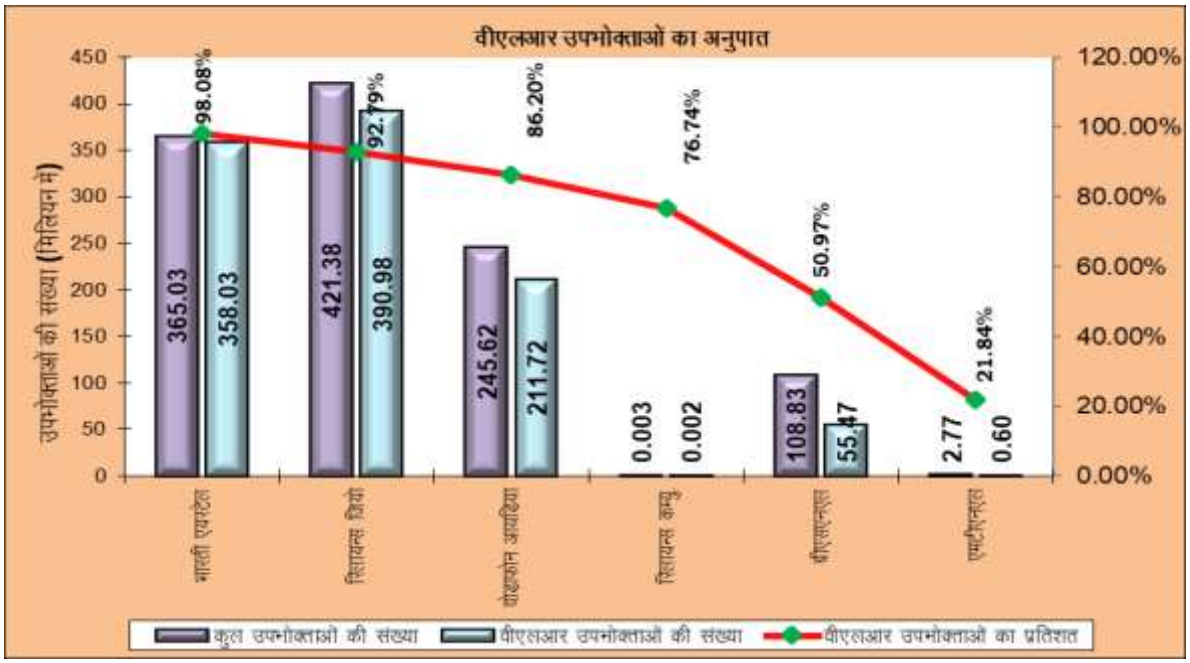

- अक्तूबर, 2022 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 98.08 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 21.84 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

अक्तूबर, 2022 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

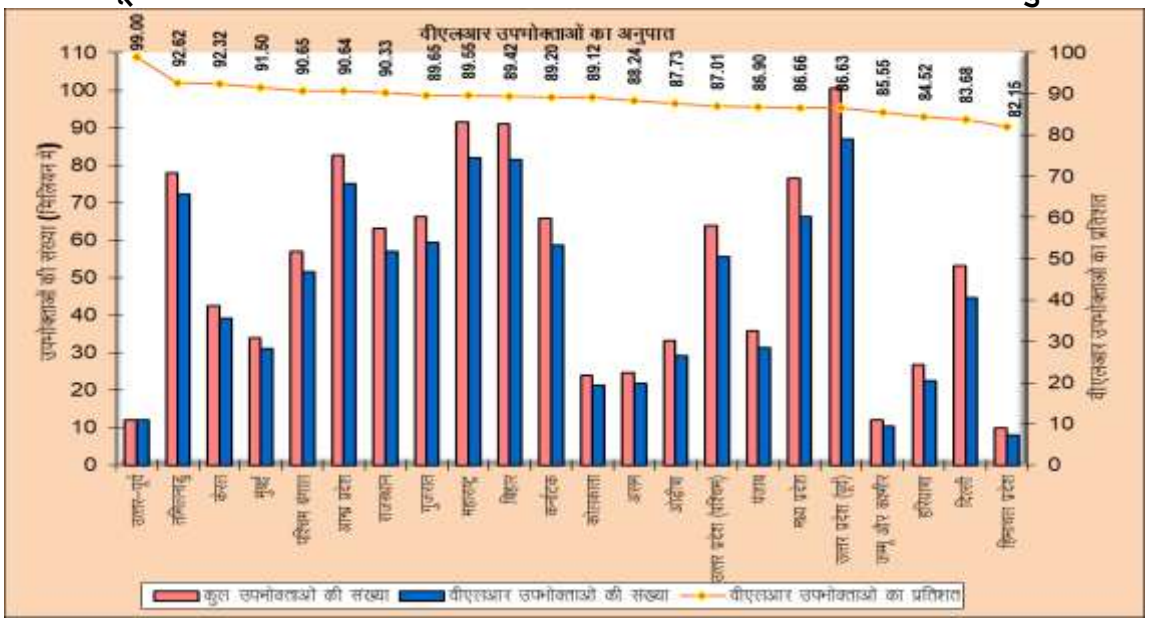

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अक्तूबर, 2022 के माह में कुल 11.81 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 11.81 मिलियन अनुरोधों में से 6.97 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 4.83 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध सितम्बर, 2022 के अंत तक 748.11 मिलियन से बढ़कर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 759.92 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 62.67 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पूर्व में (लगभग 62.65 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 56.99 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद मध्य प्रदेश में (लगभग 56.72 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-1			**जोन-2**		
सेवा क्षेत्र	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**		**सेवा क्षेत्र**	**पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या**	
	सितम्बर-22	**अक्तूबर-22**		**सितम्बर-22**	**अक्तूबर-22**
दिल्ली	35.88	36.41	आन्ध्र प्रदेश	54.49	55.11
गुजरात	50.83	51.68	असम	5.36	5.43
हरियाणा	24.51	24.82	बिहार	38.47	39.21
हिमाचल प्रदेश	3.35	3.39	कर्नाटक	56.36	56.99
जम्मू और कश्मीर	1.71	1.74	केरल	19.59	19.81
महाराष्ट्र	61.67	62.67	कोलकाता	14.90	15.04
मुंबई	28.52	28.76	मध्य प्रदेश	55.64	56.72
पंजाब	26.87	27.17	उत्तर-पूर्व	1.83	1.85
राजस्थान	53.33	54.07	ओड़ीशा	14.02	14.18
उत्तर प्रदेश-पूर्व	60.95	62.65	तमिलनाडु	52.13	52.62
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	47.70	48.91	पश्चिम बंगाल	39.99	40.67
कुल	**395.31**	**402.29**	**कुल**	**352.79**	**357.63**
कुल (जोन-I + जोन-II)				**748.11**	**759.92**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (अक्तूबर, 2022 माह में)				**11.81 मिलियन**	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत तक 26.47 मिलियन से बढ़कर, अक्तूबर, 2022 के अंत तक 26.82 मिलियन हो गई। इस माह में 1.32 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.35 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई। अक्तूबर, 2022 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 92.50 प्रतिशत तथा 7.50 प्रतिशत रही।
- सितम्बर, 2022 के अंत तक वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.92 प्रतिशत से बढ़कर अक्तूबर, 2022 के अंत तक 1.94 प्रतिशत हो गया । इसी समय के दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 5.12 प्रतिशत तथा 0.22 प्रतिशत रहा।
- 31 अक्तूबर, 2022 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 36.04 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन

उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं। अक्तूबर, 2022 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:-

दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

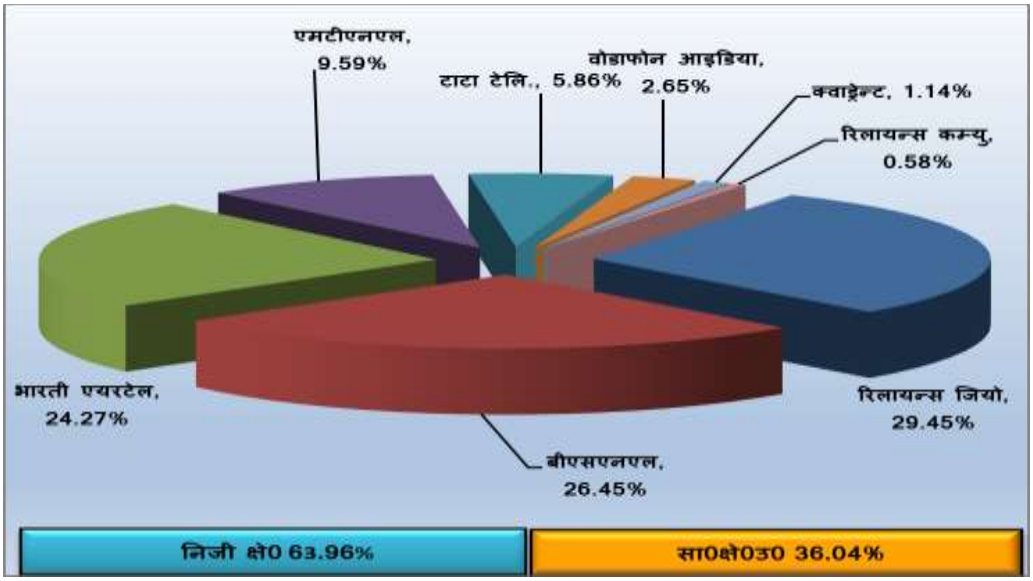

अक्तूबर, 2022 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

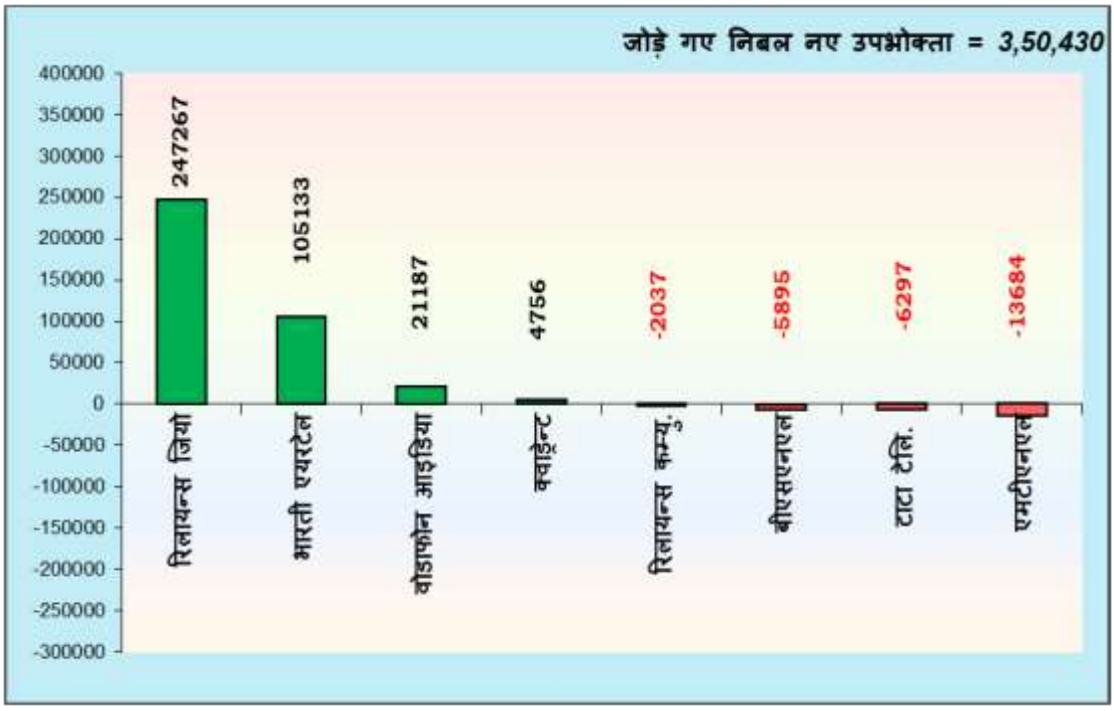

VIII. ब्राडबैंड सेवा

अक्तूबर, 2022 के अंत में 874 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, सितम्बर 2022 में 846 सेवा प्रदाताओं की तुलना में, ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 816.24 मिलियन से बढ़कर 821.49 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.64 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः -

अक्तूबर, 2022 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		अक्तूबर, 2022 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 30 सितम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	31.09	31.35	0.83%
मोबाइल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डान्गल)	783.99	789.10	0.65%
फिक्सड वायरलैस ब्राडबैंड उपभोक्ता (वाई-फाई, वाई-मैक्स, प्वाईंट-टू-प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	1.15	1.04	-9.68%
कुल	**816.24**	**821.49**	**0.64%**

- अक्तूबर, 2022 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.40 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (428.50 मिलियन), भारती एयरटेल (228.26 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (123.37 मिलियन), बीएसएनएल (26.05 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (2.14 मिलियन) थे।

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

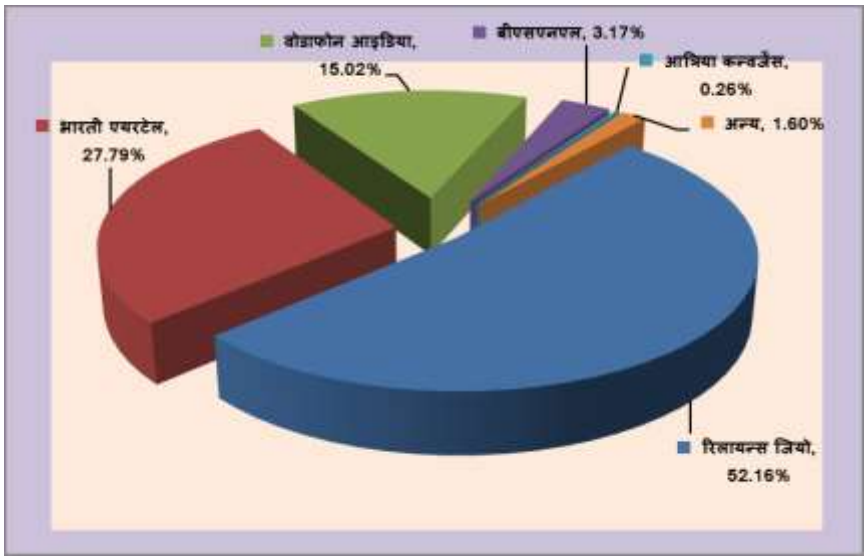

- दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (7.12 मिलियन), भारती एयरटेल (5.41 मिलियन), बीएसएनएल (3.95 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नालाजी (2.14 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकाम प्रा. लि. (1.13 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 अक्तूबर, 2022 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (421.38 मिलियन), भारती एयरटेल (222.85 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (123.36 मिलियन), बीएसएनएल (22.10 मिलियन) तथा इनटेक ऑनलाइन प्राइवेट लि. (0.23 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली-**110002.**
फोन-**011-23234367** फैक्स-**011-23235249**
ई-मेलः advfea2@trai.gov.in

(वी. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22
आन्ध्र प्रदेश	31774350	31881272			12491955	12300968	8797156	8781567					29629059	29691246	**82692520**	**82655053**
असम	10,438,124	10,502,842			2264284	2203229	3313824	3336449					8423085	8488456	**24439317**	**24530976**
बिहार	39,367,223	39,544,824			9959642	9700393	5669094	5690177					35927758	36085593	**90923717**	**91020987**
दिल्ली	16438020	16546528	198	198	16616495	16668651					1691594	1691203	18315529	18293364	**53061836**	**53199944**
गुजरात	11252833	11240322	57	57	23266733	22971933	5293414	5233513					26786692	26853347	**66599729**	**66299172**
हरियाणा	6314298	6385784	13	13	7729482	7633531	4724280	4709067					7977956	7981082	**26746029**	**26709477**
हिमाचल प्रदेश	3368664	3397367	92	92	521480	510985	2613363	2613635					3296501	3290053	**9800100**	**9812132**
जम्मू और कश्मीर	5870318	5840123	0	0	414420	408684	832966	833458					4949686	4981591	**12067390**	**12063856**
कर्नाटक	30920839	30969953	601	601	7668092	7636633	6576460	6516496					20565682	20627732	**65731674**	**65751415**
केरल	7821693	7842755	152	152	14990802	14878749	10115577	10011031					9758480	9750919	**42686704**	**42483606**
केलकाता	5687241	5688040	0	0	5993135	5947569	2172368	2150086					10041779	10079669	**23894523**	**23865364**
मध्य प्रदेश	15342537	15289095	0	0	18318854	17867798	5628013	5542016					37513234	37826692	**76802638**	**76525601**
महाराष्ट्र	20547335	20649914	0	0	26351731	25785346	6386783	6411561					38459608	38605459	**91745457**	**91452280**
मुंबई	9390935	9462952	1197	1197	11440567	11515155					1078159	1074959	11931328	11927963	**33842186**	**33982226**
उत्तर-पूर्व	5780529	5798015	0	0	1023214	1004679	1,389,461	1,385,412					3936541	3915585	**12129745**	**12103691**
ओड़ीशा	11302188	11360062	32	32	1677824	1645826	6,330,453	6,320,827					13759487	13810523	**33069984**	**33137270**
पंजाब	12053572	12105740	113	113	7640310	7544015	5,054,814	5,051,223					11072338	11183703	**35821147**	**35884794**
राजस्थान	22111587	21978942	161	161	10609215	10400783	6,390,012	6,378,687					24227583	24298718	**63338558**	**63057291**
तमिलनाडु	27160209	27255080	272	271	17445195	17221976	9,532,053	9,537,386	73,001	146,396			23735924	23755190	**77946654**	**77916299**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36164407	36158120	0	0	19609019	19331519	10,371,737	10,147,502					34611274	34743042	**100756437**	**100380183**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18692418	18635968	8	8	17878479	17532134	5,709,997	5,648,600					21944303	22105744	**64225205**	**63922454**
पश्चिम बंगाल	16421417	16492148	157	157	15221878	14912584	2,379,097	2,389,825					23102745	23084907	**57125294**	**56879621**
कुल	**364220737**	**365025846**	**3053**	**3052**	**249132806**	**245623140**	**109280922**	**108688518**	**73001**	**146396**	**2769753**	**2766162**	**419966572**	**421380578**	**1145446844**	**1143633692**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**805109**		**-1**		**-3509666**		**-592404**		**73395**		**-3591**		**1414006**	**0**	**-1813152**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	***175,016,773***	***177,267,773***	***0***	***0***	***123711971***	***121161494***	***35,078,353***	***34,880,358***	***0***	***0***	***35354***	***35346***	**184466150**	**185104088**	**518308601**	**518449059**

अनुलग्नक-2

अक्तूबर, 2022 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	98.82	57.98	92.82		-	90.60	**90.64**
असम	96.46	41.28	90.79		-	95.86	**88.24**
बिहार	92.75	42.91	79.51		-	95.76	**89.42**
दिल्ली	102.29		65.67	17.08	89.90	89.40	**83.68**
गुजरात	105.21	45.88	91.60		94.74	90.01	**89.65**
हरियाणा	103.35	32.62	88.45		92.31	96.31	**84.52**
हिमाचल प्रदेश	98.11	37.86	103.73		43.48	97.49	**82.15**
जम्मू और कश्मीर	91.31	74.71	79.45		-	81.11	**85.55**
कर्नाटक	95.66	48.26	84.76		93.84	94.07	**89.20**
केरल	103.75	80.02	92.55		99.34	95.42	**92.32**
केलकाता	92.52	45.12	88.09		-	97.18	**89.12**
मध्य प्रदेश	96.44	46.13	84.53		-	89.66	**86.66**
महाराष्ट्र	106.23	0.00	88.15		-	96.44	**89.55**
मुंबई	91.99		70.71	29.34	67.92	83.38	**91.50**
उत्तर-पूर्व	102.51	48.76	93.45		-	113.00	**99.00**
ओड़ीशा	97.34	51.95	94.61		37.50	95.38	**87.73**
पंजाब	99.85	40.34	89.14		63.72	92.39	**86.90**
राजस्थान	99.57	40.88	93.38		60.25	93.64	**90.33**
तमिलनाडु	98.65	68.94	93.02		98.52	95.06	**92.62**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	96.09	31.76	86.05		-	93.15	**86.63**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	103.24	37.29	85.72		100.00	87.04	**87.01**
पश्चिम बंगाल	93.61	72.58	86.67		47.13	92.98	**90.65**
कुल	**98.08**	**50.97**	**86.20**	**21.84**	**76.74**	**92.79**	**88.91**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक-3

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि		क्वार्डेट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो			
	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर , 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर , 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर , 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22	सितम्बर, 22	अक्तूबर, 22
आन्ध्र प्रदेश	676698	675656			388080	399967	20247	20189	154615	155898			75155	72595	882035	917700	**2196830**	**2242005**
असम	107,865	108,173			14230	15030	0	0	0	0			2730	2730	126474	131038	**251299**	**256971**
बिहार	161,267	162,761			45704	47896	9	9	8947	8934			1980	2010	345815	359798	**563722**	**581408**
दिल्ली	0	0	1249661	1244785	1826346	1843591	23096	22232	141845	141704			84590	85870	734172	755172	**4059710**	**4093354**
गुजरात	355783	350220			166931	168833	2265	2551	76401	77156			49136	56806	450378	462609	**1100894**	**1118175**
हरियाणा	186772	188844			85590	89298	0	0	31625	31520			360	420	86349	89841	**390696**	**399923**
हिमाचल प्रदेश	88360	88899			2953	3273	0	0	1561	1564			30	30	41382	42954	**134286**	**136720**
जम्मू और कश्मीर	91611	90852			65203	67767	0	0	0	0			30	30	162881	167052	**319725**	**325701**
कर्नाटक	874983	876405			983541	994879	20702	21056	226735	226058			146012	157752	681993	684798	**2933966**	**2960948**
केरल	1028453	1023603			83486	84508	4075	3803	19119	19070			6810	6810	192530	200550	**1334473**	**1338344**
केलकाता	211911	213718			177461	178175	5385	4441	48372	48340			14255	14855	350386	364345	**807770**	**823874**
मध्य प्रदेश	259391	256422			390766	398406	5	14	12461	12486			29365	29895	465632	483817	**1157620**	**1181040**
महाराष्ट्र	641532	640237			325396	333368	9831	9882	208844	208005			26463	26373	195909	200694	**1407975**	**1418559**
मुंबई	0		1335525	1326717	497526	502073	46890	46184	476701	471568			174536	175850	678867	698358	**3210045**	**3220750**
उत्तर-पूर्व	76764	76125			0	0	0	0	0	0			360	510	113671	118337	**190795**	**194972**
ओड़ीशा	174087	172630			1046	646	4	4	8587	8454			3990	3990	170112	177503	**357826**	**363227**
पंजाब	309753	313450			199686	202706	1970	1988	15058	15160	301569	306325	2040	2040	213770	222290	**1043846**	**1063959**
राजस्थान	285087	284526			169407	173726	3484	3637	12989	12893			15385	15385	282324	292654	**768676**	**782821**
तमिलनाडु	990170	984248			728365	743017	19874	19742	119497	118210			36980	37363	576631	594637	**2471517**	**2497217**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	140938	141044			148497	153027	20	20	8253	8268			16720	16750	345854	359369	**660282**	**678478**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	187784	188168			95971	98585	10	9	4758	4788			3738	3788	379419	395081	**671680**	**690419**
पश्चिम बंगाल	250934	258267			7578	10125	13	82	2627	2622			120	120	174537	179791	**435809**	**451007**
कुल	**7100143**	**7094248**	**2585186**	**2571502**	**6403763**	**6508896**	**157880**	**155843**	**1578995**	**1572698**	**301569**	**306325**	**690785**	**711972**	**7651121**	**7898388**	**26469442**	**26819872**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		**-5895**		**-13684**		**105133**		**-2037**		**-6297**		**4756**		**21187**		**247267**		**350430**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**1799053**	**1815626**	**34**	**34**	**0**	**0**	**418**	**423**	**32581**	**29450**	**20599**	**20473**	**0**	**0**	**141117**	**145476**	**1993802**	**2011482**

अनुलग्नक-4

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**उपभोक्ताओं की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।